सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्षः 11 • अंकः 54 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, शुक्रवार, 28 मार्च, 2025

वेश्याएं निर्धनों के साथ नहीं रहतीं, नागरिक कमजोर संगठन का समर्थन नहीं करते, और पक्षी उस पेड़ पर घोंसला नहीं बनाते जिस पर फल ना हों।
–चाणक्य

नवाबों ने तोड़ा हैदराबाद... 7 | आंदोलनों व प्रदर्शनों से डर रही... 3 | आठ साल में भाजपा सरकार ने... 2

ब्रिटेन में ममता बनर्जी पर फेंकी गयी राजनीतिक गुगली में खुद बोल्ड हो गयी बीजेपी

» पक्ष में बजी तालियां विरोधी मैदान छोड़कर भागे

» ममता बोली- वर्ष 2060 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का नम्बर एक बनना मुश्किल!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विदेशी निवेश के वास्ते ब्रिटेन पहुंची सीएम ममता बनर्जी पर वहां एक बड़ा राजनीतिक अटैक हुआ। उनके निवेश यात्रा को डिस्टर्ब करने के लिए लंदन में उनके ऊपर एक राजनीतिक गुगली फेंकी गयी जिससे बचना उनके लिए लगभग अंसभव था।

लेकिन सीएम ममता बनर्जी ने अपने कौशल से उस गुगली पर ऐसा सिक्सर मारा कि बाल स्टेडियम के बाहर चली गयी। उनके जवाब के बाद बीजेपी एक बार फिर एक नैरेटिव सेट करने की कोशिशों में लग गयी है वहीं ब्रिटेन में कार्यक्रम में उपस्थित लोग उनकी जय-जयकार कर रहे हैं।

यह हुआ है..

हुआ यह कि लंदन के ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में सीएम ममता बनर्जी निवेशकों को संबोधित कर रही थी तो वहां मौजूदा स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के लोगों ने उनका विरोध शुरू कर दिया और गो बैक के नारे लगाये। सीएम ममता बनर्जी ने विरोध कर रहे लोगों को ऐसा जवाब दिया कि जो लोग उन्हें गो बैक करने आये थे उन्हें खुद गो बैक होना पड़ा। यही नहीं ब्रिटेन की धरती से से उन्होंने बीजेपी की दुखती रग पर ऐसा हाथ रखा कि अर्थव्यवस्था पर हो हल्ला मच गया और वह बीजेपी के निशाने पर आ गयी।

लंदन में छा गयीं ममता, विरोधियों को दिया करारा जवाब

आप मेरा नहीं अपने संस्थान का अपमान कर रहे हैं : ममता

विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व वामपंथी छात्र संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई-यूके) के सदस्यों ने किया, जिन्होंने बनर्जी और उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार और लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने का आरोप लगाया। बनर्जी ने स्पष्ट रूप से निराश होकर प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेल दिया। उन्होंने कहाआपको मुझे बोलने का मौका देना चाहिए। आप मेरा अपमान नहीं कर रहे हैं, आप अपने संस्थान का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने दर्शकों के एक वर्ग पर अति वामपंथी और सांप्रदायिक मित्र होने का आरोप लगाया, उन्होंने आरोप लगाया कि वे जहां भी गईं, वहां इसी तरह के व्यवधान पैदा किए गए।

आक्सफोर्ड कार्यक्रम को खराब करने की कोशिश

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लंदन में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के केलॉग कॉलेज के कार्यक्रम को खराब करने की स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया

(एसएफआई) के छात्र नेताओं ने पूरी कोशिश की। जैसे ही सीएम ममता बनर्जी ने संबोधित करना शुरू किया एसएफआई के छात्रों ने उनके गो बैक के नारे लगाना शुरू कर दिये। इस असहज स्थति को सहज बनाते हुए ममता बनर्जी ने उन छात्रों को लताड़ दिया और संयम के साथ स्थिति को संभाला और शिष्टाचार बनाए रखते हुए प्रदर्शनकारियों को जवाब दिया। सीएम ममता बनर्जी ने बिना किसी रुकावट के अपना भाषण समाप्त किया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से कहा कि अपनी पार्टी से कहो कि वे हमारे राज्य पश्चिम बंगाल में अपनी ताकत बढ़ाएँ ताकि वे हमसे लड़ सकें। जब यह घटना मुख्यमंत्री के भाषण के आसपास हुई, तो दर्शकों में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली भी मौजूद थे। आखिर में, सामूहिक विरोध के कारण प्रदर्शनकारियों को हॉल छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा।

बिफर गयी बीजेपी

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए उन पर भारत की आर्थिक वृद्धि को स्वीकार करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। उन्होने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना लिखा है कि विदेशी धरती पर भी इंडिया गठबंधन के नेता भारत के बारे में अच्छा नहीं बोल सकते। वरिष्ठ भाजपा नेता अमित मालवीय ने भी ममता बनर्जी के बयान की निंदा करते हुए इसे अपमानजनक बताया है। अमित मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भारत के दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से परेशानी है। विदेशी धरती पर ऐसा व्यवहार कौन कर सकता है?

भाजपा के निशाने पर ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर कि गयी टिप्पणी के बाद भाजपा के निशाने पर आ गई हैं। ब्रिटेन की यात्रा के दौरान सीएम ममता बनर्जी से पूछा गया था कि क्या भारत 2060 तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। उन्होंने इस भविष्यवाणी को खारिज कर दिया, जिसके बाद भाजपा ने उनकी कड़ी आलोचना शुरू कर दी है। उनसे जब पूछा गया कि क्या भारत 2060 तक पहली सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इस सवाल के जवाब में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि, मैं इससे असहमत हूं।

सीएम ने पुरानी तस्वीर दिखाई

ममता बनर्जी ने टोका-टोकी के जवाब में 1990 के दशक की शुरुआत की अपनी एक पुरानी तस्वीर दिखाई, जिसमें उनके सिर पर पट्टी बंधी हुई थी और दावा किया कि विपक्ष में रहने के दौरान उनकी हत्या के प्रयास का सबूत यह है। दर्शकों को दिखाने के लिए इसे दिखाते हुए उन्होंने कहा,पहले मेरी तस्वीर देखो, कैसे मुझे मारने की कोशिश की गई।

आठ साल में भाजपा सरकार ने बेईमानी के सारे रिकार्ड तोड़े: अखिलेश यादव

» भाजपा राज में बस एक हाई-वे बनाया जा रहा है, जो लखनऊ से गोरखपुर जाता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा झूठ का एक्सप्रेस-वे है। उत्तर प्रदेश में भाजपा राज में पिछले आठ सालों में अगर सच में विकास हुआ है तो फिर हटाने की बात क्यों हो रही है। सपा प्रमुख ने ने कहा कि सच तो यह है कि आठ साल में भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार, लूट और बेईमानी के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं।

भ्रष्टाचार के पैसे पर एकाधिकार के लिए भाजपा के अंदर एक हाई-वे बनाया जा रहा है, जो लखनऊ से गोरखपुर जाता है। श्री यादव ने कहा कि विकास के झूठे प्रचार में जिनकी तस्वीर तक नहीं है, वे अपने आप ही ससम्मान वापस चले जाए तो अच्छा है। उनकी तस्वीर भी उनके काम की तरह गोल है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आठ साल में सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाया है। नफरत और भेदभाव की राजनीति की। पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल बनाया। अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दिया है। प्रदेश में

इतना भ्रष्टाचार कभी नही था। सत्ता के शीर्ष से लेकर नीचे तक सरकारी धन की लूट हो रही है। भाजपा सरकार में निवेश से लेकर शिक्षा व्यवस्थाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, सड़क निर्माण, सड़कों के गड्ढे, गोशालाओं के नाम पर भारी भ्रष्टाचार हो रहा है।

गोशालाओं में भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार की दुर्गन्ध है

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में गोशालाओं को सेवाभाव से नहीं चलाया जा रहा है। गोशालाओं में भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार की दुर्गन्ध है। कमीशनखोरी चरम पर है। गौशालाओं के नाम पर सरकारी बजट भाजपा नेताओं और समर्थकों की जेब में जा रहा है। गोशालाओं में साफ-सफाई नहीं है। गायों के खाने-पीने की व्यवस्था नहीं है। पूरे प्रदेश से आये दिन गायों की भूख और बीमारी से मरने की खबरें आती है। भाजपा सरकार में गौशालाओं और गायों के नाम पर पैसों की बंदरबांट हो रही है। आज प्रदेश भर में गोशालाओं में गंदगी का अंबार है। गौशालाएं गायों के लिए कैदखाना बन गयी है। वहां कोई व्यवस्था नहीं है। प्रदेश में हर दिन गायें बेमौत मर रहीं है। इस दुर्दशा के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। भाजपा सरकार गायों की भूख, बीमारी और मौतों के पाप की भागीदार है। इसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

जितना झूठा प्रचार कर लें, जनता सच्चाई समझ रही

अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री और पूरी भाजपा घूम-घूम कर सरकारी पैसे से चाहे जितना झूठा प्रचार करें जनता सच्चाई समझ रही है। जनता भाजपा की बदनीयती, बेईमानी, से वाकिफ हो चुकी है। किसान, नौजवान, पीडीए समाज एकजुटता के साथ 2024 के लोकसभा चुनाव की तरह 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाएगा।

यूपी में सांसद सुरक्षित नहीं तो और लोगों का क्या हाल होगा: सुमन

» बोले- मेरा बयान कड़वा सच, मैं माफी नहीं मांगूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आगरा में अपने आवास के बाहर हुई तोड़फोड़ और पथराव पर समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने कहा कि 22 मार्च से ही वे (हमलावर) अपने इरादे जाहिर करते हुए बयान दे रहे थे और सोशल मीडिया पर पहले ही बता चुके थे कि वे मेरे घर में घुसने की कोशिश करेंगे और मुझ पर जानलेवा हमला करेंगे।

वे मेरे घर से 6 किलोमीटर के अंदर बुलडोजर लेकर आए। यह एक सोची-समझी साजिश थी। कल यूपी के सीएम भी आगरा में थे। अगर उत्तर प्रदेश में सांसद सुरक्षित नहीं है तो फिर और कौन सुरक्षित हो सकता है? मेरा बयान कड़वा सच था। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने बयान पर कायम हैं। सपा, कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने गुरुवार को सुबह के सत्र के दौरान राज्यसभा से वॉकआउट किया और आगरा में एक मौजूदा सांसद के आवास पर कथित धमकी और हमले के प्रयास पर चर्चा की अनुमति नहीं देने के अध्यक्ष के फैसले का विरोध किया।

जम्मू-कश्मीर में दैनिक वेतनभोगियों पर सियासी बवाल

» भाजपा और नेकां के बीच आरोप-प्रत्यारोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू । एक तरफ जहां पिछले पांच दिनों से सड़कों पर संघर्ष कर रहे जलशक्ति विभाग के दैनिक वेतनभोगियों पर पुलिस लाठियां भांज रही है, तो वहीं इस मुद्दे पर विधानसभा के भीतर और बाहर सियासत गरमा गई है। सत्तापक्ष और विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है।

भाजपा विधायक शाम लाल शर्मा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को दैनिक वेतनभोगियों के मसले में खुली बहस की चुनौती दी है। उनका आरोप है कि नेकां-कांग्रेस की गठबंधन सरकार में कर्मियों को स्थायी करने की प्रक्रिया में जम्मू की अनदेखी की गई।भाजपा मुख्यालय जम्मू में शाम लाल ने कहा कि उस समय और आज भी नेकां सरकार में कोई फर्क नहीं दिख रहा। अनुच्छेद 370 का सहारा लेकर लोगों के हित वाले कानूनों को लागू नहीं होने दिया गया। जम्मू-कश्मीर में 47 विभागों में 61000 से अधिक दैनिक वेतनभोगी हैं, जिनमें सबसे अधिक जलशक्ति व सिंचाई विभाग में हैं।2007 में तत्काल मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद की सरकार ने दैनिक वेतनभोगियों के लिए एक समिति बनाई थी, लेकिन नतीजा सिफर रहा। 2008 में कहा गया कि और वेतनभोगी लगा लो, लेकिन स्थायी न करें। तब सरकार में दिलावर मीर पीएचई मंत्री और कांग्रेस से डॉ. रोमेश राज्यमंत्री थे।

स्पीकर के घर पर हुई बैठक में मैंने और दैनिक वेतनभोगी लगाने के फैसले का विरोध करते हुए पहले उन्हें स्थायी करने पर जोर दिया था।सरकार में जनवरी, 2013 में मैं मंत्री बना, तब दैनिक वेतनभोगियों का रिकॉर्ड तैयार किया गया। उस समय कश्मीर से 11129 कर्मियों को स्थायी कर दिया गया और जम्मू से सिर्फ 855 स्थायी किए गए। इसके बाद भी कश्मीर से चुनाव का वास्ता देकर दस हजार और कर्मियों को स्थायी करने के लिए दबाव बनाया गया।

उमर का गणित खराब, सरकार घमंड से चूर, दुर्भाग्यपूर्ण : सुनील

नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि सरकार घमंड से चूर है। दैनिक वेतनभोगियों के प्रति सरकार का रवैया निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का गणित खराब है। वह हर बात पिछले दस साल से जोड़कर कर रहे हैं। भाजपा सरकार गठबंधन में तीन साल ही रही। हमने हाईपावर समिति बनाई, 520 एसआरओ लाया, जिसके तहत दैनिक वेतन भोगियों को स्थायी करने का प्रावधान था।

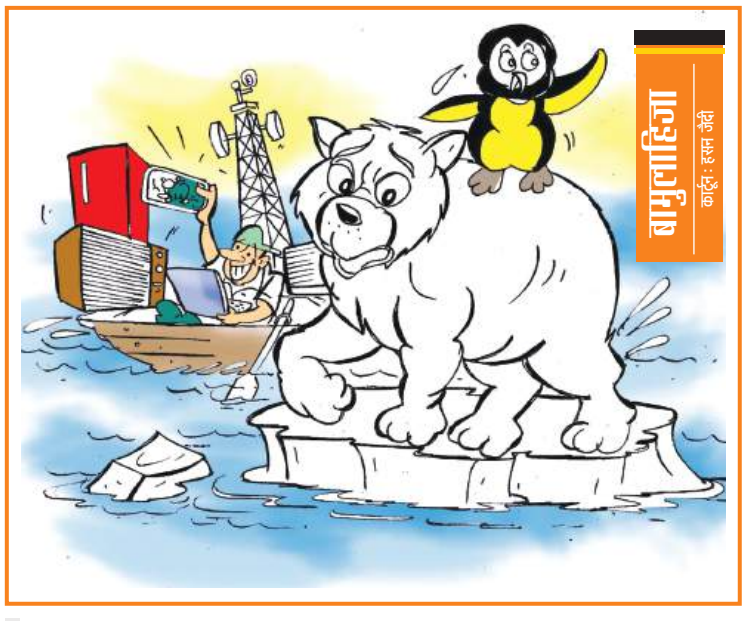

यूपी के जिलाध्यक्षों से चार को मिलेंगे राहुल और खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के सभी जिलाध्यक्षों एवं महानगर अध्यक्षों की बैठक चार अप्रैल को दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में होगी। बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे संवाद करेंगे।

कांग्रेस की ओर से हर प्रदेश के जिलाध्यक्षों एवं महानगर अध्यक्षों को दिल्ली बुलाकर सियासी हालात पर चर्चा की जा रही हैं। कांग्रेस के एजेंडे और भविष्य की रणनीति से वाकिफ कराया जा रहा है। इसी के तहत अलग- अलग राज्यों के जिलाध्यक्षों को दिल्ली बुलाया जा रहा है। पखवारेभर पहले प्रदेश के सभी जिला एवं महानगर अध्यक्ष की घोषणा की जा चुकी है। इन सभी को अपने- अपने क्षेत्र से जुड़ी समस्याएं जुटाने और कार्यकारिणी का विस्तार करने का निर्देश दिया गया है। दिल्ली से बुलावा आने के बाद सभी को संबंधित जिले के सियासी समीकरण, कांग्रेस की स्थिति पर भी रिपोर्ट तैयार रखने का निर्देश दिया गया है।

यूपी में छीना जा रहा मुसलमानों का हक: सुनील सिंह

» बोले- सरकार का मुख्य विषय सिर्फ हिंदू-मुस्लिम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने प्रदेश में मुसलमानों की सुरक्षा पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में ना तो हिंदू सुरक्षित है और ना ही मुसलमान। मुसलमानों को लेकर जो बयान दिया जा रहे हैं वो सत्यता से परे हैं।

सुनील सिंह ने बयान जारी करके कहा कि प्रदेश में जितने हिंदू सुरक्षित हैं, उतने ही मुसलमान भाई सुरक्षित हैं, ये गलत है। सच्चाई ये है कि जबसे उत्तर प्रदेश में बीजेपी की सरकार आई है तब से प्रदेश में न तो हिंदू सुरक्षित हैं और न ही मुसलमान। प्रदेश में मुसलमान त्योहार नहीं मना पा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि आठ वर्षों में सरकार ने किसानों की उपलब्धि पर क्या कार्य किया? एक भी उपलब्धि नहीं है? गन्ना किसानों के गन्ने का मूल्य कितना बढ़ा, कितना घटा? इसको सरकार नहीं बता रही है? बेरोजगारों को कितना रोजगार मिला नहीं बता रही है? महंगाई आसमान पर है। इन आठ वर्षों में महंगाई

कितनी कम हुई है ? उसको सरकार नहीं बता रही है। सरकार का सिर्फ मुख्य विषय है हिंदू-मुस्लिम। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता ने रामपुर, संभल उत्तर प्रदेश में के कई हिस्सो में दंगे देखे हैं। मुसलमानों के डेमोक्रेटिक राइट्स का क्रॉस वायलेशन हुआ। मुसलमानों के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की जा रही है। मौजूदा भाजपा सरकार अल्पसंख्यक विरोधी सरकार है। अल्पसंख्यक का मतलब सिर्फ मुसलमान नहीं होता है। यूपी में उनका हक छीना जा रहा है। देश छोड़िए, ह्यूमन राइट्स कमीशन छोड़िए, हाईकोर्ट छोड़िए, सुप्रीम कोर्ट छोड़िए, अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां यह बताती हैं कि 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश में मुसलमानों के साथ उनके डेमोक्रेटिक राइट्स का क्रॉस वायलेशन हुआ है।

हिमाचल में भाजपा की रैली फ्लॉप: नरेश चौहान

» मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार मीडिया बोले- सभी आरोप निराधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार मीडिया नरेश चौहान ने भाजपा की रैली को फ्लॉप शो करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं था और बेवजह भाजपा द्वारा रैली निकाली गई।

नरेश चौहान ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने तीसरा बजट पेश किया है जिसमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास किया गया है। विपक्ष पांच गुटों में बंटा है। एक जयराम ठाकुर का गुट, एक अनुराग का, एक राजीव बिंदल, एक वह गुट है जो कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए हैं और पांचवां गुट जेपी नड्डा का है। नरेश चौहान ने कहा कि भाजपा में वर्चस्व की ल ?ई चल रही है। विपक्ष के पास कोई भी मुद्दा प्रदर्शन करने का नहीं था। भाजपा नशे को लेकर आज आरोप लगा रहे है लेकिन 5 साल भाजपा की सरकार रही। उन्होंने नीतियां बनाई होतीं तो आज नशा प्रदेश में नहीं फैलता।

आंदोलनों व प्रदर्शनों से डर रही सरकार!

यूपी से लेकर ओडिशा तक भाजपा का विपक्षियों पर कहर

» सपा, आप और कांग्रेस ने कहा- सरकार अराजक

» आम जन को दबा नहीं सकती बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जबसे भाजपा की सरकार केंद्र में व उसकी सरकारें राज्यों में आई है। विपक्ष पर तो पुलिसिया कहर ढाया जा रहा है। आम लोगों को नहीं बख्शा जा रहा है। अमूमन अपनी मांगों व विरोध के लिए आमजन से लेकर सियासी दल धरना प्रदर्शन या आंदोलन करते है। पर वर्तमान में सता पर काबिज भाजपा अपने खिलाफ उठने वाले आवाजों को दबाने का प्रयास करत रही है। इसकी खबरें यूपी से लेकर ओड़िशा तक आ रही हैं। ऐसा नहीं भी भाजपा शासित ही ऐसा कर रहे है बल्कि पंजाब व बंगाल में आप व टीएमसी क्रमश: भाजपाइयों को खदेड़ने का प्रयास कर रही है।

अब यूपी में सपा संसाद सुमन के राणा सांगा पर दिये बयान को भाजपा व सपा सड़क पा आ गई हैं। तो ओडिशा में भारी बवाल हो गया है। वर्हा की पुलिस कांग्रेस नेताओं को दौड़ा-दौड़ाकर पुलिस पीट रही और इसके खिलाफ जमकर पत्थरबाजी भी हुई। उधर पंजाब में आप सरकार ने प्रदर्शनकारी किसानों को हटाकर भी आंदोलनकारियों को नाराज कर दिया। ओडिशा में कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान बवाल हो गया। पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को दौड़ा-दौड़कर पीटना शुरू कर दिया है। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ता भी पत्थरबाजी कर रहे हैं। कुर्सी डंडा एक दूसरे पर फेंक रहे हैं। महात्मा गांधी मार्ग रण क्षेत्र में तब्दील हो गया है। एक कांग्रेस कार्यकर्ता का सिर फट गया है। पुलिस स्थिति को नियंत्रण करने की कोशिश में लगी है।

सपा सांसद के घर के सामने हंगामे पर सपा व भाजपा में रार

राजधानी लखनऊ में सपा कार्यकर्ताओं ने अटल चौक पर प्रदर्शन किया। आगरा में सपा सांसद रामजी लाल सुमन के घर के सामने प्रदर्शन को लेकर सपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। सुबह छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष की अगुवाई में कार्यकर्ता एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। दलितों का अपमान करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन देख मौके पर पुलिस टीम पहुंची। पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। इसके बाद धरना प्रदर्शन के लिए ईको गार्डन भेज दिया।इससे पहले सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि आगरा में मुख्यमंत्री के उपस्थित रहते हुए पीडीए के एक सांसद के घर पर कुछ लोगों द्वारा तोड़फोड़ की हिंसक वारदात की गई। जब सीएम के मौजूद रहते इसे रोका नहीं जा सका तो फिर जीरो टॉलरेंस तो जीरो होना ही है। सपा मुखिया ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए लिखा कि क्या मुख्यमंत्री का प्रभाव क्षेत्र दिन पर दिन घट रहा है? या फिर %आउटगोइंग सीएम% की अब कोई सुन नहीं रहा है। अगर वो अभी भी मुख्यमंत्री हैं तो तुंरत कार्रवाई करें। एआई से दोषियों की पहचान करवाकर दंडित करें, नहीं तो मान लिया जाएगा कि पीडीए सांसद के खिलाफ जो हुआ उनकी अनुमति से हुआ।

ओडिशा में कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान बवाल

विधानसभा घेराव करने के लिए भुवनेश्वर राम मंदिर चौक से कांग्रेस की पदयात्रा शुरू हो गई है। इस पदयात्रा के दौरान अब बवाल मच गया है। पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को दौड़ा-दौड़कर पीटना शुरू कर दिया है। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ता भी पत्थरबाजी कर रहे हैं। पुलिस ने पानी की बौछार के साथ-साथ आंसू गैस के गोले भी छोड़े। कुर्सी डंडा एक दूसरे पर फेंक रहे हैं। महात्मा गांधी मार्ग रण क्षेत्र में तब्दील हो गया है। एक कांग्रेस कार्यकर्ता का सिर फट गया है। पुलिस स्थिति को नियंत्रण करने की कोशिश में लगी है। पानी स्प्रे और आंसू गैस के गोले छोड़ने के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ता पीछे हटने को तैयार नहीं है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि प्रशासन गोली भी चलाए तो भी हम पीछे नहीं हटेंगे।इस प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भक्त चरण दास, कांग्रेस प्रभारी, कांग्रेस के सभी विधायक एवं प्रदेश भर से आए कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए हैं।

202 किसान रिहा, पटियाला से 70 और नाभा जेल से 132 किसान छोड़े गये

पटियाला की सेंट्रल जेल और नाभा की नई जिला जेल से सोमवार देर रात करीब 202 किसानों को रिहा कर दिया गया। पटियाला जेल से करीब 70 और नाभा जेल से 132 किसानों को रिहा किया गया है। इससे पहले दिन में आईजीपी (हेडक्वार्टर) सुखचैन सिंह गिल ने बयान दिया था कि हिरासत में लिए किसानों को जल्द रिहा कर दिया जाएगा।19 मार्च को शंभू और खनौरी बॉर्डरों पर हुए पुलिस एक्शन के बाद से करीब 150 किसान नाभा की नई जिला जेल में बंद थे। इन सभी किसानों को खनौरी बॉर्डर से पुलिस ने हिरासत में लिया था। रिहा किए गए 132 किसान विभिन्न जिलों से संबंधित हैं। किसान नेताओं ने अपने साथियों की रिहाई पर संतोष जताते मांग की है कि बाकी के किसानों को भी जल्द रिहा किया जाए। दरअसल 19 मार्च को केंद्र के साथ बैठक करके वापस लौटते किसान नेताओं सरवन सिंह पंधेर, जगजीत सिंह डल्लेवाल समेत कई बड़े किसान नेताओं को पुलिस ने रास्ते में हिरासत में लिया था। इसके बाद पुलिस ने बॉर्डरों का रुख किया था, वहां पुलिस ने जबरदस्त एक्शन करते सैकड़ों की संख्या में किसानों को गिरफ्तार करके उनके द्वारा बॉर्डरों पर किए निर्माणों को ढहा दिया था। तब से पंजाब सरकार व पुलिस प्रशासन लगातार विरोधियों के निशाने पर थे। विरोधियों की ओर से लगातार किसानों के रिहाई की मांग की जा रही थी।पटियाला के निजी अस्पताल में रखे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को मिलने गए चार किसान नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। करीब चार घंटे इन किसान नेताओं को पुलिस ने थाना अर्बन एस्टेट में रखने के बाद छोड़ दिया। इनमें बीकेयू सिद्धूपुर के मान सिंह राजपुरा, उजागर सिंह धमोली, गुरदेव सिंह जंडाली और जवाहर लाल गज्जूखेड़ा शामिल हैं। इन किसान नेताओं के मुताबिक डल्लेवाल ने एक चिट्ठी भेजी है, जिसमें उन्होंने कहा है कि पंजाब सरकार झूठ बोल रही है कि वह अपनी मर्जी से पटियाला के अस्पताल में इलाज करवा रहे हैं। डल्लेवाल ने 19 मार्च से मेडिकल सुविधा लेना बंद कर रखा है, वह पानी तक नहीं ले रहे हैं।

बगैर कांग्रेस विधायक ओडिशा विधानसभा की कार्रवाई

कांग्रेस विधायकों के बगैर आज ओडिशा विधानसभा की कार्रवाई शुरू हुई। हालांकि सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले बीजू जनता दल के विधायकों ने सदन के अंदर गंगाजल का छिड़काव किया। बीजू जनता दल के विधायकों का कहना है कि पहली बार सदन के अंदर पुलिस के आने से सदन अपवित्र हुआ है। सदन की गरिमा नष्ट हुई है। ऐसे में आज हमने सदन के अंदर गंगाजल का छिड़काव किया है। उधर दूसरी तरफ कांग्रेस के विधानसभा घेराव को लेकर राजधानी को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। पुलिस चप्पे-चप्पे पर नजर रख रही है।

दास की अपील नहीं आई काम

वहीं इससे पहले ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने पार्टी कार्यकर्ताओं से शांति बनाए रखने का आग्रह किया लेकिन उनकी अपील काम करते दिख नहीं रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिलाओं के खिलाफ अपराधों की जांच के लिए सदन समिति के गठन की मांग को लेकर विधानसभा के पास प्रदर्शन करेगी।भक्त चरण दास ने प्रशासन को भरोसा दिया कि पार्टी कार्यकर्ता परिसर में प्रवेश नहीं करेंगे, जबकि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है और कथित तौर पर पार्टी के कुछ नेताओं को एहतियातन हिरासत में लिया गया है।दास ने एक वीडियो संदेश में कहा कि उन्हें विभिन्न जिलों से सूचना मिल रही है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए भुवनेश्वर पहुंचने से रोका जा रहा है। दास ने कहा कि कांग्रेस राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करेगी।उन्होंने प्रशासन से पार्टी कार्यकर्ताओं को अवैध रूप से हिरासत में नहीं लेने को कहा। दास ने कहा कि अवैध हिरासत से जिलों में तनाव पैदा हो सकता है और कांग्रेस किसी भी तरह से उस स्थिति के लिए जिम्मेदार नहीं होगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

साइबर ठगों के हौसलों को पस्त करना जरूरी

साइबर या यों कहें कि इस तरह की ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान पर है तो यूक्रेन दूसरे पायदान पर बना हुआ है।मोबाइल पर नंबर मिलाते ही आजकल साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इस सबके बावजूद भारत सरकार द्वारा ठगी के जारी आंकड़ें ना केवल चेताने वाले हैं अपितु लगता है जैसे ज्यों ज्यों दवा की मर्ज बढ़ता ही गया वाले हालात बनते जा रहे हैं।

पिछले कुछ सालों से साईबर ठगी की खबरें आम हो गई हैं। अब साइबर ठगों ने एआई का इस्तेमाल भी शुरू कर दिया है। आए दिन डिजिटल अरेस्ट द्वारा कई लोगों के शिकार होने की बातें सामने आती है। जब घटनाएं ज्यादा बढ़ जाती हैं तो सरकारें या संबंधित एजेंसियां जनता की जागरूकता से जुड़े कुछ स्लोगन या विज्ञापन जारी करके अपने कर्तव्यों की इतीश्री कर लेती हैं। जबकि ये मामले बहुत गंभीर होते जा रहे हैं अब नीति नियंताओं को इसपर गंभीरता से विचार करके कानून बनाना चाहिए। वर्तमान समय में ये ठग एआई का प्रयोग बड़ी मात्रा में कर रहे हैं। अब समय आ गया है कुछ ठोस किया जाए। ऐसा नहीं है कि साइबर या इससे जुड़ी ठगी हमारे यहां ही होती है अपितु देखा जाए तो यह आयातित ठगी का तरीका है। साइबर या यों कहें कि इस तरह की ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान पर है तो यूक्रेन दूसरे पायदान पर बना हुआ है।

मोबाइल पर नंबर मिलाते ही आजकल साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इस सबके बावजूद भारत सरकार द्वारा ठगी के जारी आंकड़ें ना केवल चेताने वाले हैं अपितु लगता है जैसे ज्यों ज्यों दवा की मर्ज बढ़ता ही गया वाले हालात बनते जा रहे हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रुपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाने के बावजूद एक ओर ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राशि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी हालिया आंकड़ों को देखे तो पिछले तीन साल में ही ठगी के नए अवतार से ठगी की राशि 20 गुणा बढ़ गई है। इस साल की शुरुआत के दो महीनों में ही 17 हजार 718 से अधिक मामलें दर्ज हो चुके हैं और 210 करोड़ 21 लाख रु. से अधिक की ठगी हो चुकी है। यह तो साल की शुरुआत के हाल है। पिछले तीन साल के आंकड़ों पर नजर ड़ाले तो हालात की गंभीरता को आसानी से समझा जा सकता है। साल 2022 में साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट या इस तरह की ब्लेक मेलिंग, ऑनलाइन ठगी आदि के 39925 मामलों में 91 करोड़ 14 लाख की ठगी हुई थी जो एक साल बाद ही 2023 में बढ़कर 60676 हो गई और इसमें 339 करोड़ रु. की राशि की ठगी हो गई। तो वे मामलें हैं जो पुलिस में दर्ज हुए हैं जबकि हजारों मामलें ऐसे भी होंगे जिनमें मामलें दर्ज कराए ही नहीं गए होंगे। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जरूरी है न्याय व्यवस्था की साख कायम रखना

प्रमोद जोशी

नेशनल ज्यूडीशियल डेटा ग्रिड के अनुसार इस हफ्ते 26 मार्च तक देश की अदालतों में चार करोड़ 54 लाख से ज्यादा मुकदमे विचाराधीन पड़े थे। इनमें 46.43 लाख से ज्यादा केस 10 साल से ज्यादा पुराने हैं। यह मान लें कि औसतन एक मुकदमे में कम से कम दो या तीन व्यक्ति पक्षकार होते हैं तो देश में करीब 10 से 15 करोड़ लोग मुकदमेबाजी के शिकार हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। सामान्य व्यक्ति के नजरिए से देखें तो अदालती चक्करों से बड़ा चक्रव्यूह कुछ नहीं है। एक बार फंस गए, तो बरसों तक बाहर नहीं निकल सकते। सरकार और न्यायपालिका लगातार कोशिश कर रही है कि कम से कम समय में मुकदमों का निपटारा हो जाए। यह तभी संभव है जब प्रक्रियाएं आसान बनाई जाएं, पर न्याय व्यवस्था का संदर्भ केवल आपराधिक न्याय या दीवानी मुकदमों तक सीमित नहीं है।

व्यक्ति को कारोबार का अधिकार देने, मुक्त वातावरण में अपना धंधा चलाने, मानवाधिकारों तथा अन्य अधिकारों की रक्षा के लिए भी उपयुक्त न्यायिक संरक्षण की जरूरत है। उसके पहले हमें अपनी न्याय-व्यवस्था की सेहत पर भी नज़र डालनी होगी, जिसके उच्च स्तर को लेकर कुछ विवाद खड़े हो रहे हैं। इस समय सवाल तीन हैं। न्याय-व्यवस्था को राजनीति और सरकारी दबाव से परे किस तरह रखा जाए? जजों की नियुक्ति को पारदर्शी कैसे बनाया जाए? तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण सवाल है कि सामान्य व्यक्ति तक न्याय किस तरह से उपलब्ध कराया जाए? अक्सर कहा जाता है कि देश में न्यायपालिका का ही आखिरी सहारा है। पर पिछले कुछ समय से न्यायपालिका को लेकर उसके भीतर और बाहर से सवाल उठने लगे हैं। उम्मीदों के साथ कई तरह के अंदेशे हैं। कई बार लगता है कि सरकार नहीं, सुप्रीम कोर्ट के हाथ में देश की बागडोर है। पर न्यायिक जवाबदेही को लेकर हमारी व्यवस्था पारदर्शी नहीं बन पाई है। न्यायपालिका को स्वतंत्र होना चाहिए और उसे सरकारी दबाव से भी बाहर होना चाहिए। सच यह भी है कि संविधान ने कानून बनाने और न्यायिक नियुक्तियों के अधिकार विधायिका और कार्यपालिका को दिए हैं।

दो राय नहीं कि कार्यपालिका को भी निर्द्वंद्व नहीं होना चाहिए। न्यायपालिका को लेकर संदेह व्यक्त करना, न्यायिक अवमानना की श्रेणी में इसीलिए रखा जाता है, क्योंकि वह संदेह से परे होनी चाहिए। सवाल है कि

यदि न्यायपालिका के भीतर के मसले अस्पष्ट और अपारदर्शी हैं और उन्हें लेकर भीतर से ही सवाल उठ रहे हैं, तो उनका निदान क्या है? दिल्ली में नोटों की जलती गड्डियों ने इन सारे सवालों को एकसाथ उठा दिया है? हम किधर जा रहे हैं? न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास पर नोटों की गड्डियों से जुड़े विवाद के बीच, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 2014 में संसद द्वारा पारित राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम का जिक्र करते हुए मंगलवार को कहा कि न्यायिक नियुक्तियों की व्यवस्था को सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द नहीं किया होता तो 'चीजें अलग होतीं।' धनखड़ ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए पार्टियों के नेताओं के साथ बैठक भी की। कुछ पर्यवेक्षक मानते हैं कि यह बैठक कॉलेजियम प्रणाली पर राजनीतिक दलों, खासतौर से विरोधी दलों का दृष्टिकोण जानने का प्रयास हो सकता है। सरकार ने इस सिलसिले में कोई प्रस्ताव नहीं रखा है, इसलिए इस बैठक से कोई बात निकल कर नहीं आई, पर लगता है कि न्यायपालिका को लेकर राजनीतिक दलों के भीतर वह आम राय भी इस समय नहीं है, जैसी 2014 में थी। राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग से जुड़ा विधेयक 2014 में संसद ने पास किया था, लेकिन 2015 में उच्चतम न्यायालय ने उसे खारिज कर दिया। एनजेएसी अधिनियम में कहा गया था कि न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में छह सदस्यीय निकाय द्वारा की जाएगी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के दो सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश, केंद्रीय कानून मंत्री और दो 'प्रतिष्ठित' व्यक्ति शामिल होंगे। दो प्रतिष्ठित व्यक्तियों का चयन प्रधानमंत्री, सीजेआई और लोकसभा में विरोधी दल के नेता वाले पैनल द्वारा किया जाना था।

उच्चतम न्यायालय ने इसे खारिज करते हुए कहा कि ऐसी वैकल्पिक प्रक्रिया को स्वीकार करने का कोई सवाल ही नहीं उठता जो जजों के चयन और नियुक्ति के मामले में न्यायपालिका की प्रधानता सुनिश्चित नहीं करती हो। वर्ष 2014 में, दोनों सदनों में, एआईएडीएमके को छोड़कर, जो मतदान में शामिल नहीं रही थी, सभी दलों ने इसका अनुमोदन किया। बाद में 50 प्रतिशत से अधिक राज्यों ने, जिनमें कांग्रेस और वामपंथी दलों द्वारा शासित राज्य भी शामिल थे, एनजेएसी कानून का अनुमोदन किया था।

सख्ती विकास व पुनर्वास से पलटी बाजी

मधुरेन्द्र सिन्हा

देश की सीमाओं की रक्षा में जहां हमारे सैनिक तत्पर हैं वहीं देश में उग्रवादियों, नक्सलवादियों जैसी विध्वंसक ताकतों से निपटने और उनका सफाया करने के लिए केन्द्रीय सुरक्षा बल तथा अन्य बल पूरी मुस्तैदी से शांति बनाये रखने में सफल हुए हैं। यह बल जिसे सीआरपीएफ के नाम से जाना जाता है। इस समय सीआरपीएफ देश में माओवादी उग्रवादियों को पूरी तरह से खत्म करने के अपने मिशन में जी जान से जुटा हुआ है। छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र वगैरह राज्यों में इनका आतंक खत्म करने और वहां सामान्य जन-जीवन को बहाल करने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। हाल के वर्षों में इस बल ने वर्षों से जमे हुए सशस्त्र नक्सलियों को जबर्दस्त चोट पहुंचाई है और उसके कई बड़े लीडर मारे गये हैं जिनसे इन उग्रवादियों का मनोबल नीचे आ गया है।

पिछले कुछ महीनों में तो दर्जनों नक्सली सीआरपीएफ से मुठभेड़ में मारे गये हैं। सैकड़ों हथियार पकड़े जा चुके हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने तो बजट सत्र में स्पष्ट शब्दों में कहा कि 31 मार्च, 2026 तक देश में नक्सलवाद का समूल नाश कर दिया जायेगा। सरकारी लड़ाई तेज करने के अलावा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास के काम को तेज किया और संसाधन उपलब्ध करवाये ताकि वहां के स्थानीय लोग उनसे दूरी बना लें। हिंसा के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की सरकार की नीति का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने इन देश-विरोधी तत्वों से सख्ती से निपटने की रणनीति पर काम किया है। सीआरपीएफ तथा अन्य सुरक्षा बलों को नये हथियारों से लैस करने के अलावा उन्हें उचित प्रशिक्षण दिलाकर मदद की। टेक्नोलॉजी का सहारा लिया गया और ड्रोन वगैरह के अलावा संचार के तमाम आधुनिक साधनों को उपलब्ध करवाया। दरअसल, नक्सल प्रभावित क्षेत्र घने जंगलों तथा दुर्गम इलाकों में स्थित हैं। वहां तक पहुंचना टेढ़ी खीर है लेकिन अब उन इलाकों में भी सड़कें बन गई हैं। लगभग 20 हजार किलोमीटर सड़कें बनवाकर सरकार ने वहां जवानों को ही नहीं बल्कि आदिवासियों के आवागमन को सुचारु कर दिया है।

सुकमा जैसे घनघोर इलाके में अब अंदर तक सड़कें हैं और इस वजह से अर्धसैनिक बलों का आना-जाना संभव हो पाया है। इसके अलावा उन इलाकों में 68 ऐसे हेलीपैड भी बनवाये गये हैं जहां रात को भी हेलीकॉप्टर पहुंच सकें ताकि जवानों को लाया-ले जाया जा सके तथा रसद व हथियार फौरन पहुंचाये जा सकें। बलों के शिविरों की संख्या भी बढ़ाई गई है ताकि जवान एक जगह से दूसरी जगह जल्दी से पहुंच जायें। नक्सलवाद के विरुद्ध सशस्त्र लड़ाई में डीआरजी, एसटीएफ, आईटीबीपी, बीएसएफ, राज्य पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों तथा अफसरों ने दुर्गम इलाकों में अपना ऑपरेशन चलाया और सैकड़ों ने अपनी जान की कुर्बानी दी। वे भूखे-प्यासे दुर्गम इलाकों में तैनात रहते हैं। केंद्र ने इन संगठनों को मजबूत किया है और उन्हें नई टेक्नालॉजी तथा हथियारों से लैस किया है। इससे नक्सलियों से दो-दो हाथ करने में उन्हें सफलता मिली है और बड़ी तादाद में नक्सली मारे गये हैं।

नक्सल प्रभावित इलाकों में बजट में 300 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है ताकि संसाधनों का संकट न रहे। नक्सलवाद बढ़ने में गांवों के विकास की उपेक्षा एक बड़ा कारण था। दूर-दराज के गांवों में विकास की सिर्फ बातें ही होती थीं और वहां कुछ नहीं होता था और नक्सली नेताओं के लिए भोले-भाले आदिवासियों को बरगलाना आसान था। उनके पास जीविका के साधन नहीं थे, शिक्षा तो दूर की बात थी। लेकिन अब किसानों तथा अन्य को अपनी उपज का सही मूल्य मिलने लगा। उनके बनाये सामानों की बिक्री भी होने लगी और इससे उनकी आय बढ़ी। नये स्कूल बनाये गये और पुरानों को फिर से चालू कर दिया गया। कई इलाकों में नक्सलियों द्वारा उड़ाये गये स्कूलों को फिर से बना दिया गया है। स्वास्थ्य केन्द्रों में अब डॉक्टर नियमित रूप से आते हैं और उन्हें आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कई कदम उठाये गये हैं। इनसे ग्रामीणों में उनके प्रति विश्वास बढ़ा और वे नक्सलियों से दूरी बनाने लगे हैं। बहुत से इलाकों में बिजली पहुंचाई जा रही है ताकि उनकी जिंदगी आसान हो और नक्सलियों को अंधेरे का फायदा न मिले। सख्ती और सुविधाएं, इन दोनों के साथ सरकार ने नक्सलियों को पीछे धकेलने में बहुत सफलता पाई।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 2023 में नई सरकार बनने के बाद एक साल में ही सशस्त्र बलों ने 380 नक्सलियों को मुठभेड़ों में मार गिराया तथा 1045 ने सरेंडर कर दिया जबकि 1194 गिरफ्तार कर लिये गये। इन मुठभेड़ों में सिर्फ 26 जवान शहीद हुए। इन गिरफ्तार नक्सलियों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए रोजगार की भी व्यवस्था की है। निस्संदेह, उचित विकास से ही सभी समस्याओं का समाधान मिलेगा। इसके तहत ही उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए 36 महीनों तक हजार रुपये प्रति माह सहायता की भी व्यवस्था की गई है, जिससे वे नई जिंदगी जी सकें। आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों को भी विशेष अनुदान दिया जा रहा है। गृह मंत्रालय अर्ध सैनिक बलों के वीर जवानों के लिए कई तरह की कल्याणकारी योजनाओं पर भी काम कर रहा है। उनका मनोबल बढ़ाये रखने के लिए उनके लिए आयुष्मान सीएफएफ योजना लागू की गई है। सीजीएचएस के अस्पतालों में उनके इलाज तथा मुफ्त दवाओं की व्यवस्था की गई है। सरकार ने उनके लिए 2021 से 2026 के बीच 28,546 घरों के निर्माण का लक्ष्य रखा है ताकि उनके आवास की समस्या दूर हो। अब तक कुल एक लाख मकान उन्हें आवंटित कर दिये गये हैं।

तिथि और घटस्थापना का शुभ मुहूर्त

इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 30 मार्च 2025 से प्रारंभ होगी। वहीं 6 अप्रैल 2025 को राम नवमी के साथ इसका समापन होगा। नवरात्रि के पहले दिन घटस्थापना के साथ हिंदू नववर्ष का शुभारंभ भी होगा और गुड़ी पड़वा का पर्व मनाया जाएगा। प्रतिपदा तिथि प्रारंभः 29 मार्च 2025, शाम 4:27 बजे, प्रतिपदा तिथि समाप्तः 30 मार्च 2025, दोपहर 12:49 बजे, कलश स्थापना का शुभ मुहूर्तः सुबह 6:13 बजे से 10:22 बजे तक, अभिजीत मुहूर्तः दोपहर 12:01 बजे से 12:50 बजे तक, कलश स्थापना शुभ मुहूर्त में करने से व्रत और पूजा का विशेष फल प्राप्त होता है।

हाथी पर सवार होकर आएंगी इस बार मां दुर्गा

नवरात्रि का पर्व माता दुर्गा की भक्ति और शक्ति उपासना का विशेष समय होता है। भक्तजन नौ दिनों तक मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना कर धर्म और आध्यात्मिकता में लीन रहते हैं। देवी पुराण के अनुसार इस दौरान मां दुर्गा धरती पर वास करती हैं, जिससे वातावरण भक्तिमय हो जाता है। इस बार नवरात्रि का आरंभ और समापन दोनों रविवार को हो रहा है, जिससे मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आएंगी और इसी पर प्रस्थान करेंगी। हाथी पर माता का आगमन बेहद शुभ माना जाता है, जो अच्छे वर्षा चक्र, समृद्धि और खुशहाली का संकेत देता है। मान्यता है कि देवी की सवारी से आने वाले समय की स्थिति का अंदाजा लगाया जाता है, जिसमें प्रकृति, कृषि और समाज पर पड़ने वाले प्रभाव शामिल होते हैं।

घट स्थापना की विधि

सबसे पहले जौ बोने के लिए एक ऐसा पात्र लें जिसमे कलश रखने के बाद भी आस पास जगह रहे. यह पात्र मिट्टी की थाली जैसा कुछ हो तो श्रेष्ठ होता है। इस पात्र में जौ उगाने के लिए मिट्टी की एक परत बिछा दें। मिट्टी शुद्ध होनी चाहिए। पात्र के बीच में कलश रखने की जगह छोड़कर बीज डाल दें। फिर एक परत मिटटी की बिछा दें। एक बार फिर जौ डालें। फिर से मिट्टी की परत बिछाएं। अब इस पर जल का छिड़काव करें। कलश तैयार करें। कलश पर स्वस्तिक बनायें। कलश के गले में मौली बांधें। अब कलश को थोड़े गंगा जल और शुद्ध जल से पूरा भर दें। कलश में साबुत सुपारी, फूल डालें। कलश में सिक्का डालें। अब कलश में पत्ते डालें। कुछ पत्ते थोड़े बाहर दिखाई दें इस प्रकार लगाएं। चारों तरफ पत्ते लगाकर ढ़क्कन लगा दें। इस ढ़क्कन में अक्षत यानि साबुत चावल भर दें नारियल तैयार करें। नारियल को लाल कपड़े में लपेट कर मौली बांध दें। इस नारियल को कलश पर रखें। नारियल का मुंह आपकी तरफ होना चाहिए। यदि नारियल का मुंह ऊपर की तरफ हो तो उसे रोग बढ़ाने वाला माना जाता है। नीचे की तरफ हो तो शत्रु बढ़ाने वाला मानते है, पूर्व की और हो तो धन को नष्ट करने वाला मानते है। नारियल का मुंह वह होता है जहां से वह पेड़ से जुड़ा होता है। अब यह कलश जौ उगाने के लिए तैयार किये गये पात्र के बीच में रख दें।

घट स्थापना की सामग्री

जौ बोने के लिए मिट्टी का पात्र जौ बोने के लिए शुद्ध साफ की हुई मिट्टी जिसमे कंकर आदि ना हो, पात्र में बोने के लिए जौ (गेहूं भी ले सकते है), घटस्थापना के लिए मिट्टी का कलश या फिर तांबे का कलश भी लें सकते है। कलश में भरने के लिए शुद्ध जल, गंगाजल, रोली, मौली, पूजा में काम आने वाली साबुत सुपारी, कलश में रखने के लिए सिक्का (किसी भी प्रकार का कुछ लोग चांदी या सोने का सिक्का भी रखते है), आम के पत्ते, कलश ढ़कने के लिए ढक्कन (मिट्टी का या तांबे का), ढक्कन में रखने के लिए साबुत चावल, नारियल, लाल कपड़ा, फूल माला,फल तथा मिठाई, दीपक, धूप , अगरबत्ती ले लें।

अष्टमी-नवमी पर करें कन्या पूजन

देवी पुराण के अनुसार, अष्टमी या नवमी वाले दिन कन्या पूजन करने से देवी मां बेहद प्रसन्न होती है। नवरात्रि के व्रत और पूजा बिना कन्या पूजन किए सफल नहीं मानी जाती है। कहा जाता है कि चैत्र और शारदीय नवरात्रि की अष्टमी या नवमी तिथि पर 9 कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। इसे कंजक पूजन के नाम से भी जानते हैं। मान्यता ये भी है कि कंजक पूजन नहीं करने से नवरात्रि में किए गए व्रत का फल भी अधूरा ही मिलता है। बता दें कि कुछ लोग अष्टमी और नवमी वाले दिन कन्या पूजन करते हैं। इस लेख के जरिए हम आपको बताएंगे कि कन्या पूजन करने का मुहूर्त कब है और इसकी सही विधि क्या है। बता दें कि देवी पुराण के अनुसार, अष्टमी या नवमी वाले दिन कन्या पूजन करने से देवी मां बेहद प्रसन्न होती है। इस दिन कन्या और बटुक की पूजा की जाती है। शास्त्रों के अनुसार आयु के अनुसार कन्या पूजन किया जाए तो इससे आपको मनोवांछित फल की प्राप्ति होती हैं।

हंसना मना है

एक यात्री ने बड़े तेज स्वर में रेलवे स्टेशन-मास्टर से शिकायत की-चालीस मिनट हो गए हैं, गाड़ी आज तक नहीं पहुंची। स्टेशन-मास्टर ने कहा-'घबराइए नहीं, ये टिकट चौबीस घंटे तक चल सकता है।

लेखक-'आपने मेरा नया उपन्यास पढ़ा? उसकी सब क्षेत्र धूम है। आलोचक-'इतनी फुर्सत किसे है? मैं तो इतना व्यस्त हूं कि जिन पुस्तकों की बुराई लिखता हूं, उन्हें भी नहीं पढ़ पाता।

नरेश-घर में शासन कैसे चलाएं' नामक पुस्तक से तुम्हें कुछ फायदा हुआ? महेन्द्र-'नहीं। नरेश-'क्यों? महेन्द्र-'पत्नी ने मुझे पुस्तक पढ़ने को कभी नहीं दी।

एक लेखक महोदय कोई सभा में भाषण दे रहे थे-'अजीब इतफाक है कि जिस दिन प्रेमचंद जी का निधन हुआ, उसी दिन मेरा जन्म हुआ। देखा जाए तो वह दिन हिन्दी साहित्य के लिए बड़े दुर्भाग्य का दिन था' एक श्रोता ने अधूरा वाक्य पूरा किया।

कहानी

रेत से चीनी अलग करना

एक बार बादशाह अकबर, बीरबल और सभी मंत्रीगण दरबार में बैठे हुए थे। सभा की कार्यवाही चल रही थी। एक-एक करके राज्य के लोग अपनी समस्याएं लेकर दरबार में आ रहे थे। इसी बीच वहां एक व्यक्ति दरबार में पहुंचा। उसके हाथ में एक मर्तबान था। सभी उस मर्तबान की ओर देख रहे थे, तभी अकबर ने उस व्यक्ति से पूछा- 'क्या है इस मर्तबान में?' उसने कहा कि महाराज इसमें चीनी और रेत का मिश्रण है।' अकबर ने फिर पूछा 'किसलिए?' अब दरबारी ने कहा कि गलती माफ हो महाराज, लेकिन मैंने बीरबल की बुद्धिमत्ता के कई किस्से सुने हैं। मैं उनकी परीक्षा लेना चाहता हूं। मैं यह चाहता हूं कि बीरबल इस रेत में से बिना पानी का इस्तेमाल किए, चीनी का एक-एक दाना अलग कर दें।' अब सभी हैरानी से बीरबल की ओर देखने लगे। अब अकबर ने बीरबल की ओर देखा और कहा कि देख लो बीरबल, अब तुम कैसे इस व्यक्ति के सामने अपनी बुद्धिमानी का परिचय दोगे।' बीरबल ने मुस्कुराते हुए कहा कि महाराज हो जाएगा, यह तो मेरे बाएं हाथ का काम है।' अब सभी लोग हैरान थे कि बीरबल ऐसा क्या करेंगे कि रेत से चीनी अलग-अलग हो जाएगी? तभी बीरबल उठे और उस मर्तबान को लेकर महल में मौजूद बगीचे की ओर बढ़ चले। उनके पीछे वह व्यक्ति भी था। अब बीरबल बगीचे में एक आम के पेड़ के नीचे पहुंचे। अब वह मर्तबान में मौजूद रेत और चीनी के मिश्रण को एक आम के पेड़ के चारों तरफ फैलाने लगे। तभी उस व्यक्ति ने पूछा कि अरे यह क्या कर रहे हो?' इस पर बीरबल ने कहा कि ये आपको कल पता चलेगा।' इसके बाद दोनों महल में वापस आ गए। अब सभी को कल सुबह का इंतजार था। अगली सुबह जब दरबार लगा, तो अकबर और सारे मंत्री एक साथ बगीचे में पहुंचे। साथ में बीरबल और रेत व चीनी का मिश्रण लाने वाला व्यक्ति भी था। सभी आम के पेड़ के पास पहुंच गए। सभी ने देखा कि अब वहां सिर्फ रेत पड़ी हुई है। दरअसल, रेत में मौजूद चीनी को चीटियों ने निकालकर अपने बिल में इकट्ठा कर लिया था और बची-खुची चीनी को कुछ चीटियां उठाकर अपने बिल में ले जा रही थीं। इस पर उस व्यक्ति ने पूछा कि चीनी कहां गई?' तो बीरबल ने कहा कि रेत से चीनी अलग हो गई है।' सभी जोर-जोर से हंसने लगे। बीरबल की यह चतुराई देख अकबर ने उस व्यक्ति से कहा कि अगर अब तुम्हें चीनी चाहिए, तो तुम्हें चीटियों के बिल में घुसना पड़ेगा।' इस पर सभी ने फिर से ठहाका लगाया और बीरबल की तारीफ करने लगे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी।

वृषभ

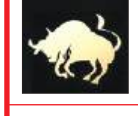

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

मिथुन

जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश होगा। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे।

कर्क

भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी।

सिंह

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

कन्या

आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। बेवजह किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

तुला

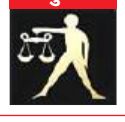

प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक

आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी।

धनु

किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा।

मकर

कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ

मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें।

मीन

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी।

अनन्या और जाह्नवी कपूर के साथ काम करना चाहते हैं सलमान खान

सलमान खान, इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सिकंदर का प्रमोशन कर रहे हैं। सलमान ने युवा अभिनेत्रियों के साथ अपनी फिल्मों को लेकर हो रही चर्चाओं पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि वह अनन्या पांडे और जाह्नवी कपूर के साथ काम करना चाहेंगे, लेकिन लोग उनके बीच उम्र के अंतर को लेकर उनकी आलोचना करेंगे।

बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, सलमान ने उम्र के अंतर पर खुलकर बात की और कहा कि वह युवा अभिनेत्रियों के साथ केवल उन्हें बड़ा मंच और मौका देने के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा, अगर मैं अनन्या या जाह्नवी के साथ काम करना चाहता हूं, तो लोग मेरे लिए इसे मुश्किल बना देते हैं क्योंकि तब वे उम्र के अंतर के बारे में बात करते हैं। इसके बावजूद, मैं उनके साथ काम करना जारी रखूंगा। इसी बातचीत के दौरान सलमान खान ने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने एक बार एक फिल्म निर्माता को एक साथ कई कलाकारों को लेकर कुछ बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन मौजूदा पीढ़ी के सभी अभिनेताओं ने एक-दूसरे के साथ काम करने से इनकार कर दिया था। सलमान के बताया सभी बहुत हैरत में पड़ गए। हम मल्टी-कास्ट फिल्में करने में सहज थे क्योंकि हमारे लिए यह ऐसा था कि हमारे सभी प्रशंसक एक साथ मिलकर फिल्म को हिट बनाते। हमने एक साथ 100-200 दिन काम किया। बहरहाल सलमान खान की फिल्म सिकंदर 30 मार्च यानी कि ईद के मौके पर रिलीज होने वाली है। फिल्म में रश्मिका मंदाना हैं। फिल्म के ट्रेलर के लॉन्च के मौके पर सलमान खान ने उम्र के गैप के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था सोशल मीडिया वाले आजकल पीछे पड़ जाते हैं। अब लोग कह रहे हैं कि अभिनेत्री और मुझमें 31 साल का गैप है। अरे जब अभिनेत्री को दिक्कत नहीं है। अभिनेत्री के पिता को दिक्कत नहीं है, तो तुमको क्यों दिक्कत है? कल जब उसकी शादी हो जाएगी और उसके बच्चे होंगे और बड़ी स्टार बन जाएगी, इसके बावजूद वह काम करना जारी रखेगी?

साउथ में धमाका करने को तैयार प्रेरणा अरोड़ा

फिल्म निर्माता प्रेरणा अरोड़ा इस बार साउथ सिनेमा में बड़ा धमाका करने जा रही है। उनकी फिल्म में जब से हिंदी सिनेमा की 'रज्जो' यानी सोनाक्षी सिन्हा ने एंट्री ली है, फिल्म की मार्केट वैल्यू एकदम से आसमान छूने लगी है। फिल्म का फर्स्ट लुक भी वायरल हो चुका है।इन दिनों सोनाक्षी माउंट आबू में हैं और वहां तेजी से पूरी हो रही है उनकी नई फिल्म 'जटाधरा'।

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने सलमान खान की कंपनी की फिल्म 'नोटबुक' से लॉन्च हुए अभिनेता जहीर इकबाल के शादी की है, ये बात सब जानते हैं। दोनों ने साथ में फिल्म 'डबल एक्सएल' की, ये भी सबको पता है लेकिन क्या आपको पता है कि दोनों जल्द ही एक और फिल्म 'तू है मेरी किरन' में भी साथ काम करने वाले हैं। फिल्म 'तू है मेरी किरन' के शुरू होने से पहले ही निर्माता प्रेरणा अरोड़ा अपनी फिल्म 'जटाधरा' पूरी कर लेना चाहती हैं।

सोनाक्षी की अगली रिलीज होने वाली फिल्म 'जटाधरा' ही होगी और इसीलिए सोनाक्षी इन दिनों राजस्थान के माउंटआबू में प्रेरणा संग खूब संगत जमा रही है। दोनों की केमिस्ट्री की शूटिंग के दौरान खूब चर्चा है। निर्माता प्रेरणा अरोड़ा की इस फिल्म 'जटाधरा' में सोनाक्षी साउथ सितारे सुधीर बाबू क साथ दिखेंगी। सोनाक्षी की ये पहली तेलुगु फिल्म है, इस फिल्म में सुधीर और सोनाक्षी के साथ शिल्पा शिरोडकर, रेन अंजली और दिव्या विज भी अहम भूमिकाओं में हैं।

प्रेरणा के करीबी लोगों के मुताबिक 'जटाधरा' का माउंट आबू वाला शेड्यूल अगले महीने तक चलने वाला है और इसके बाद फिल्म का दो हफ्ते का शेड्यूडल हैदराबाद में भी है। फिल्म 'जटाधरा' के बाद सोनाक्षी के पास जहीर इकबाल वाली फिल्म 'तू है मेरी किरन' तो है ही, उनकी एक और फिल्म 'निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस' भी निर्माण के विभिन्न चरणों में है।

37 साल की हो चुकीं सोनीक्षी सिन्हा इन दिनों फिल्मों में पारंपरिक हीरोइनों के किरदार करने की बजाय ऐसे किरदारों को तवज्जो दे रही हैं, जो उन्हें बतौर अभिनेत्री मुख्यधारा में वापस ला सकें। चर्चा ये भी है कि अगर फिल्म 'सिकंदर' हिट रही तो सलमान खान फिल्म्स जल्द ही 'दबंग 4' का भी ऐलान कर सकती है। ऐसा हुआ तो चुलबुल पांडे के साथ रज्जो भी बड़े परदे पर फिर से नजर आ सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

सैफ अली मेरे पिता हैं और हम एक-दूसरे के उतना नजदीक हैं जितना हो सकते हैं : सारा अली

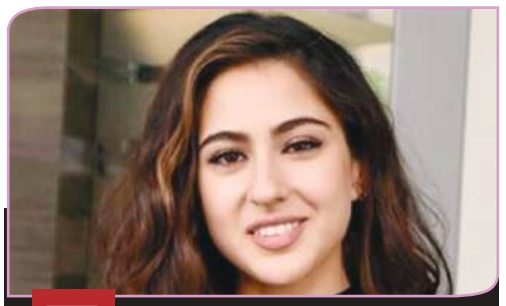

कुछ अभिनेता सैफ अली खान पर इस साल जनवरी में उनके घर पर चाकू से हमला हो गया था, जिसमें अभिनेता घायल हो गए थे। हालांकि, तुरंत इलाज मिल जाने से अभिनेता अब पूरी तरह से ठीक होकर काम पर वापस भी लौट चुके हैं। अब इस घटना के लगभग 2 महीने के बाद सैफ अली खान की बेटी और अभिनेत्री सारा अली खान ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। सारा ने कहा कि इस घटना ने उन्हें एहसास कराया कि अगर चीजें गलत हो जातीं तो उनकी जिंदगी एक रात में कितनी बदल सकती थी। हाल ही में एनडीटीवी के साथ बातचीत में सारा अली खान ने इस घटना को लेकर ईश्वर का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, इससे आपको एहसास होता है कि असल में क्या मायने रखता है। पूरा परिवार सिर्फ कृतज्ञता और शुक्रिया अदा करता है, वर्ना बहुत कुछ गलत हो सकता था। मैं बहुत आभारी हूं कि सबकुछ ठीक है। यह घटना हमें हमारी जिंदगी की याद दिलाती है। हम सब मेंटल हेल्थ पर काम करने की बात करते हैं। अपने जीवन के लिए आभारी होना बहुत जरूरी है। ऐसी घटनाएं आपको ये एहसास कराती हैं। सारा ने आगे सैफ अली खान को लेकर कहा, वो मेरे पिता हैं और हम एक-दूसरे के उतना नजदीक हैं, जितना हो सकते हैं। इससे मुझे ये एहसास नहीं हुआ कि वो मेरे पिता हैं, इससे मुझे ये एहसास हुआ कि पूरी जिंदगी रातों-रात बदल सकती थी। इसलिए हर दिन को अच्छे से मनाना चाहिए। इससे मुझे एहसास हुआ कि हमें अपने जीवन के लिए हमेशा आभारी रहना चाहिए। सैफ अली खान पर 16 जनवरी की देर रात को एक हमलावर ने घर में घुसकर चाकू से हमला कर दिया था। उसने सैफ पर कई बार चाकू से हमला किया, जिससे सैफ बुरी तरह से घायल हो गए थे। जिसके बाद उन्हें रात में ही अस्पताल पहुंचाया गया था। वहां सर्जरी के बात सैफ को कुछ दिन अस्पताल में ही रहना पड़ा था। सैफ 21 जनवरी को अस्पताल से छुट्टी लेकर वापस घर पहुंचे थे। अब अभिनेता फिलहाल पूरी तरह से ठीक हैं और अपने काम पर वापस भी लौट चुके हैं।

यह यूनिवर्सिटी पढ़ाई के साथ छात्रों से करा रही गेहूं की कटाई, गांव-गांव घूम रहे छात्र

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश की गलगोटिया यूनिवर्सिटी हमेशा से सुर्खियों में रही है। गौतमबुद्ध नगर जिले के ग्रेटर नोएडा में मौजूद इस यूनिवर्सिटी में देशभर के स्टूडेंट पढ़ाई करने पहुंचते रहे हैं। यहां के छात्र खेलकूद से लेकर सामाजिक गतिविधियों तक में शामिल रहे हैं और सुर्खियां बटोरते आए हैं। यही कारण है कि यहां दूर-दूर से छात्र दाखिला लेने पहुंचते हैं। इन दिनों इस यूनिवर्सिटी में एक अजब-गजब मामला खूब चर्चा में है। यहां से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसके बारे में जिसने भी सुना वो सुनता ही रह गया। ग्रेटर नोएडा के जुनेदपुर गांव में गलगोटिया यूनिवर्सिटी के छात्रों का राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत सात दिवसीय विशेष कैंप लगा हुआ है।

इस कैंप के दौरान छात्रों ने किसान वीर सिंह के खेतों में गेहूं की कटाई में उनका सहयोग किया। छात्रों ने के उनके खेत में गेहूं की खुद भी कटाई की। गलगोटिया यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर ने बताया कि एनएसएस कैंप के तहत छात्र गांव में कई गतिविधियां कर रहे हैं। वो घर-घर जाकर स्वच्छता अभियान चला रहे हैं। गांव वालों के बीच वो घुल-मिल गए हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत छात्र टीबी मुक्त अभियान भी चला रहे हैं। इसके तहत छात्रों की ओर से लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। पेंशन संबंधी समस्याओं के बारे में भी ग्रामीणों की मदद कर रहे हैं। इतना ही नहीं, इस कड़ाके की धूप में गलगोटिया के स्टूडेंट गेहूं की कटाई करते हुए नजर आ रहे हैं। इस मौके पर संजय नागर, मास्टर दिनेश नागर, गौरी शंकर, हर्ष, तमन्ना, कृतिका, मनु नागर, ऋतिक नागर और कुणाल सहित कई छात्र मौजूद रहे।

अजब-गजब | 2000 के दशक में स्क्रीन पर दिखती थी यह सीन

कभी हर कंप्यूटर के वॉलपेपर में दिखती थी ये तस्वीर, आखिर कहां है ये जगह ?

अगर आपने 2000 के दशक में कंप्यूटर चलाया होगा, तो आपको उसके वॉलपेपर में एक खास तस्वीर जरूर नजर आती होगी। इस तस्वीर में नीला आसमाम, सफेद बादल और हरी घास का टीला नजर आता है। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के Windows XP ऑपरेटिंग सिस्टम में ये फोटो दिखाई देती थी। पर क्या आप जानते हैं कि आखिर ये जगह कहां है और अब 2025 में कैसी नजर आती है? सोशल मीडिया पर इस तस्वीर से जुड़ी रोचक जानकारी वायरल हो रही है।

इंस्टाग्राम अकाउंट @insidehistory पर हाल ही में कुछ तस्वीरें शेयर की गई हैं। पहली ही फोटो देखकर आपको गुजरा जमाना याद आ जाएगा। वो इसलिए क्योंकि ये फोटो माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के विंडोज एक्सपी ऑपरेटिंग सिस्टम के वॉलपेपर की है। इस तस्वीर को विंडोज एक्सपी 'ब्लिस' का नाम दिया गया था। पीसी वर्ल्ड वेबसाइट के अनुसार साल 2001 में माइक्रोसॉफ्ट ने विंडोज एक्सपी लॉन्च किया था।

इस तस्वीर को चार्ल्स ओ रियर नाम के फोटोग्राफर ने 1996 में खींचा था। ये तस्वीर कैलिफोर्निया के सोनोमा काउंटी में खींची गई थी।

चार्ल्स को ये नजारा हाइवे 12 के पास दिखा था जब बारिश की वजह से हरियाली दिख रही थी। उस वक्त वो 25 साल के थे और नेशनल जियोग्राफिक में काम करते थे। उस दौरन चार्ल्स चुनिंदा फोटोग्राफर्स में से एक थे जिन्होंने कॉर्बिस नाम की एक सेवा के जरिए अपनी फोटो को डिजिटाइज किया और उसके लिए लाइसेंस हासिल किया। उस दौरान कॉर्बिस के मालिक माइक्रोसॉफ्ट के चीफ एग्जिक्यूटिव बिल गेट्स थे। उनकी तस्वीर माइक्रोसॉफ्ट को पसंद आ गई और चार्ल्स को पैसे देकर कंपनी ने उस फोटो को खरीद लिया। इंस्टाग्राम पोस्ट के मुताबिक लोगों को लगता है कि तस्वीर को काफी एडिट किया गया होगा, पर ऐसा नहीं है। तस्वीरों में असली रंग नजर आ रहे हैं।

अब दिल्ली में अपराध रूकने के बाद ही होगी विस में चर्चा : आतिशी

» पूर्व सीएम ने विधानसभा स्पीकर को लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लगातार वारदातें सामने आ रही हैं। बढ़ते अपराध को लेकर नेता विपक्ष आतिशी ने विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को चिट्ठी लिखी है। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष द्वारा लगाए गए लॉ एंड ऑर्डर के सवाल हटाए गए। इन आरोपों के बीच विधानसभा स्पीकर ने जवाब दिया है। बता दें नेता विपक्ष आतिशी ने कहा कि दिल्ली में बलात्कार होगा, गोलियां चलेंगी तो क्या विधानसभा में इस पर बात नहीं होगी? डबल इंजन की सरकार फेल हो चुकी है, इसलिए चर्चा नहीं चाहती है। दिल्ली में बढ़ते अपराध को छुपाने की भाजपा सरकार की नाकाम कोशिश है।

आगे कहा कि दिल्ली में बढ़ते अपराध और कानून व्यवस्था के बिगड़ते हालात का मुद्दा आप के विधायकों ने विधानसभा में उठाना चाहा, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आप विधायकों को ऐसा करने से मना कर दिया।

इस पर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि कुछ सदस्यों द्वारा दिये गये विशेष उल्लेख के नोटिस को अनुमति नहीं देने के बारे में मेरे फैसले के संबंध में मुझे नेता प्रतिपक्ष आतिशी से एक पत्र मिला। मैं सदस्यों को बताना चाहता हूं कि सदन के सदस्यों को केवल उन विषयों पर प्रश्न पूछने चाहिए या चर्चा करनी चाहिए, जिनका मंत्री उत्तर दे सकते हैं या उन पर कोई कार्रवाई कर सकते हैं। हालांकि, सदन में उठाए जाने वाले मामले के विषय को ध्यान में रखते हुए अध्यक्ष आरक्षित विषयों पर भी नोटिस की अनुमति केवल तब दे सकते हैं, जब उन्हें लगता है कि यह दिल्ली के लोगों को प्रभावित करने वाला बहुत जरूरी और महत्वपूर्ण मामला है और जिस पर सदन को तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रतिपक्ष के जिन नोटिसों को मैंने स्वीकार नहीं किया था, वे महज सदन की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने और सदन में संगठित व्यवधान पैदा करने का प्रयास थे। मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।

मुझे शिकायत बताने से पहले मीडिया के पास जाता है विपक्ष : विजेंद्र गुप्ता

नेता प्रतिपक्ष का पत्र मिलने से पहले ही मुझे उनके पत्र के बारे में मीडिया से जानकारी मिल गई थी। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। विपक्षी सदस्यों की यह आदत बन गई है कि वे अपनी शिकायत मुझे बताने के बजाय सबसे पहले मीडिया के पास जाते हैं। मुझे प्रतिपक्ष के सदस्यों को यह चेतावनी देने के लिए मजबूर होना प? रहा है कि वे ऐसा कोई कार्य न करें जो अध्यक्ष पद की गरिमा को ठेस पहुंचाता हो। मैं सदन में हमेशा स्वस्थ और लोकतांत्रिक बहस और चर्चा का स्वागत करूंगा लेकिन मैं ऐसी किसी भी चर्चा की अनुमति नहीं दूंगा, जिसका उद्देश्य केवल राजनीतिक लाभ लेना और मीडिया में अपने आपको महिमामंडित करने के लिए सदन का समय बर्बाद करना हो।

मप्र में साधु-संतों पर अभद्र टिप्पणी से गरमाई सियासत

» कांग्रेस विधायक ने सांड से की थी तुलना

» कांग्रेस नेतृत्व विधायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे : भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के विधायक द्वारा साधु संतों की तुलना सांड से करने पर सियासी जंग छिड़ गई है। जहां प्रदेश भर के साधु संत इसका विरोध कर रहे हैं, वहीं भाजपा के नेता कांग्रेस को लगातार घेर रहे हैं। बवाल मचने के बाद विधायक डॉ राजेंद्र सिंह ने अपने बयान पर सफाई दी है। सहकारिता और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने हमला बोलते हुए कांग्रेस नेतृत्व से विधायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि प्रदेश के पूर्व मंत्री व अमरपाटन से कांग्रेस विधायक ने साधु-संतों और महामंडलेश्वरों को सांड बताया था। राजेंद्र कुमार ने कहा था कि संयोग ऐसा कि राम मंदिर आ गया, उधर महाकुंभ आ गया।

कितना प्रचार हुआ, मैंने तो गणित लगाया, 10-12 करोड़ से ज्यादा लोग नहीं गए। उन्होंने आगे कहा था कि मैं विज्ञान का विद्यार्थी रहा हूं, इंजीनियर हूं। 60 करोड़ लोग, वाट्सएप यूनिवर्सिटी ने लोगों के दिमाग में भर दिया। फिर इन्होंने साधु-संत, संन्यासी, बाबा बैरागी और महामंडलेश्वरों को छोड़ दिया जनता के बीच, जाओ हिंदुत्व की बात करो, भाजपा का प्रचार करो, सनातन की बात करो और ये सांड, चर रहे हैं दूसरों का खेत। फिर मामले में मचे बवाल के बाद उन्होंने वीडियो जारी कर कहा कि मेरी बात की लोगों ने अलग-अलग व्याख्या की है। साधु संतों महामंडलेश्वर का काम किसी पार्टी का काम करना नही है। साधु संतों को किसी दल से सहानुभूति हो सकती है, लेकिन प्रचार करना ठीक नहीं है। हम लोग सभी धर्म को मानने वाले लोग हैं।

आठ दिन से छिपाए रहे घटना, 21 मार्च को हुई थी पहली बच्ची की मौत

» सीएम योगी ने अस्पताल पहुंचकर जाना बच्चों का हालचाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मोहान रोड स्थित निर्वाण रिहैब सेंटर के जिम्मेदार आठ दिन से घटना को दबाए बैठे रहे। 21 मार्च को पहली बच्ची की मौत इलाज के दौरान बलरामपुर अस्पताल में हुई थी। इसके बाद अब तक 32 बीमार बच्चों ने दम तोड़ दिया है। पोस्टमार्टम से मौत का कारण तो स्पष्ट नहीं हो सका है लेकिन दूषित पानी के साथ ही खानपान से जुड़ा मामला बताया जा रहा है।

सेंटर की सीवर लाइन भी चोक पाई गई है तो पास का नाला भी गंदगी से भरा मिला। हालांकि महिला कल्याण विभाग और

सेंटर संचालक पूरी घटना पर परदा डालने में जुट गए हैं। सवाल यह खड़ा हो रहा है कि संदिग्ध हालात में हो रही इन मौतों पर सेंटर संचालक मौन क्यों रहे और उन्होंने पुलिस तक को जानकारी नहीं दी। उसके बाद से एक-एक कर तीन बच्चों की और मौत हुई और कई के बीमार होने के बाद ही खबर बाहर आई । वहीं सीएम योगी ने अस्पताल पहुंचकर बच्चों का हाल जाना।

बेशकीमती भूखंडों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर बेचने वाले गिरोह का खुलासा

सरगना समेत छह सदस्य गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण की बेशकीमती भूखंडों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर बेचने वाले गिरोह का एसटीएफ ने देर रात खुलासा किया। गिरोह के सरगना समेत छह सदस्यों को दयाल पैराडाइज के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी एलडीए कर्मचारियों से सांठगांठ कर खाली भूखंड के मालिक बनकर फर्जी आधार कार्ड से अपने करीबियों के नाम करवाकर बेच देते हैं। इस तरह के करीब सौ से अधिक भूखंड बेचने की बात सामने आई है। टीम को आरोपियों के पास से 23 भूखंड के दस्तावेज मिले हैं।

एसटीएफ के डिप्टीएसपी दीपक कुमार सिंह के मुताबिक पकड़े गये आरोपियों में सुशांत गोल्फ सिटी निवासी सरगना सचिन सिंह उर्फ अमर सिंह राठौर, गोमतीनगर सेक्टर-1 निवासी अचलेश्वर गुप्ता उर्फ बबलू गुप्ता, देव रेजीडेंस कालोनी मल्हौर का राम बहादुर सिंह, विनयखंड का मुकेश मौर्या उर्फ रंगी, विरामखंड का राहुल सिंह और विपुलखंड निवासी धनंजय सिंह शामिल है। डिप्टी एसपी के मुताबिक आरोपियों के पास से दो बैंक पासबुक, छह चेकबुक, 4 चेक, 9 मोबाइल, क्रेटा और इनोवा, एक सीपीयू, एक मानीटर और 12710 रुपये नकदी बरामद हुआ है। दीपक सिंह के मुताबिक मप्र के हौशंगाबाद रोड जाट खेडी भोजपा निवासी सर्वेश कुमार गौतम ने गोमतीनगर थाने में 21 जनवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

बंटा है सबका काम व दाम

पुलिस अधिकारी के मुताबिक गिरोह का सरगना बस्ती परशुरामपुर स्थित मुनियांवा का रहने वाला सचिन सिंह है। उसने बताया कि काम के हिसाब से सभी के दाम भी तय है। सचिन मुख्य भूमिका में रहता है। वह भूखंड का ग्राहक तलाशकर लाता था। राम बहादुर सिंह भूखंड के फर्जी कागज तैयार करता है। मुकेश मौर्या भूखंड के मालिक का आधार कार्ड व अन्य जरूरी दस्तावेज तैयार करता। राहुल सिंह गवाही देता था। उनके काम के हिसाब से हिस्सा दिया जाता है। एसटीएफ के डिप्टी एसपी दीपक सिंह के मुताबिक टीम गिरोह के अन्य सदस्यों और एलडीए के बाबूओं का ब्योरा जुटा रही है। जल्द ही इस मामले में बड़े नामों का खुलासा होगा।

नवाबों ने तोड़ा हैदराबाद का घमंड

» 23 गेंद शेष रहते लखनऊ ने 5 विकेट से जीता मैच

» शार्दुल के बाद पूरन-मार्श ने मचाया धमाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। निकोलस पूरन और मिचेल मार्श की धमाकेदार पारियों की बदौलत लखनऊ सुपर जाएंट्स ने पांच विकेट से सनराइजर्स हैदराबाद को हरा दिया। गुरुवार को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 190 रन बनाए। जवाब में लखनऊ ने 16.1 ओवर में पांच विकेट खोकर मैच जीत लिया।

23 गेंदों के शेष रहते मुकाबला जीतकर लखनऊ ने अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। वहीं, इस मैच से पहले शीर्ष पर काबिज सनराइजर्स हैदराबाद छठे स्थान पर खिसक गई। 191 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ को पहला झटका मोहम्मद शमी ने एडेन मार्करम के रूप में दिया। वह सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मिचेल मार्श और निकोलस पूरन के बीच दूसरे विकेट के लिए 43 गेंदों में 116 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान पूरन ने 26 गेंदों में 70 रनों दमदार पारी खेली। उनके अलावा मिचेल मार्श ने 52 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं हैदराबाद के अभिषेक शर्मा सिर्फ छह रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पिछले मैच में शतक जड़ने वाले ईशान किशन आज खाता भी नहीं खोल पाए। शार्दुल ठाकुर ने दोनों बल्लेबाजों को पारी के तीसरे ओवर में लगातार दो गेंदों पर आउट किया।

चेन्नई और बेंगलुरु के बीच मुकाबला आज

चेन्नई। आज चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में मैच चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों ने सीजन का अपना-अपना पहला मैच जीत लिया है। ऐसे में दोनों का मकसद यहां पर अपने जीत के कारवां को आगे बढ़ाने का होगा। चेन्नई की टीम ने पहले मैच में अपने घर में मुंबई इंडियंस को मात दी थी। वहीं आरसीबी के केकेआर के उसके घर कोलकाता के ईडन गार्डंस में हराया था। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि चेन्नई के गढ़ में आरसीबी कैसा खेल दिखाती है। चेन्नई की पिच परंपरागत रूप से स्पिनर्स और धीमी गति के गेंदबाजों की मददगार रही है। यहां मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच खेले गए पहले मैच में भी स्पिनर्स ही हावी थे।

सांप्रदायिक सद्भाव को ध्यान में रखे केंद्र सरकार : स्टालिन

» तमिलनाडु विस में वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में प्रस्ताव पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। देश में वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर मुस्लिम समुदाय में नाराजगी का माहौल हैं। सबसे ज्यादा विरोध तमिलनाडु में हुआ। तमिलनाडु विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार से लोकसभा में पेश किए गए वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को वापस लेने के लिए कहा गया। सरकारी प्रस्ताव पेश करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा, इस देश पर शासन करने वाली किसी भी सरकार को नस्ल, भाषा, धर्म, पूजा स्थल और संस्कृतियों की विविधता के बीच व्याप्त सांप्रदायिक सद्भाव को ध्यान में रखना चाहिए।

यह उसका मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए। उन्होंने केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर हमेशा अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ कुटिल और षड्यंत्रकारी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) ने मुस्लिम अल्पसंख्यकों और श्रीलंकाई तमिलों को धोखा दिया है। इसने गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपी है।

मुस्लिमों की चिंताओं को केंद्र सरकार ने नजरअंदाज किया

मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि मुस्लिम समुदाय द्वारा संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष व्यक्त की गई चिंताओं को केंद्र सरकार ने नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कहा कि संशोधनों के लागू होने पर जिन पहलुओं पर नकारात्मक असर पड़ेगा, उन्हें 30 सितंबर, 2024 को जेपीसी के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। डीएमके सांसदों, पूर्व केंद्रीय मंत्री और नीलगिरी के सांसद ए राजा और राज्यसभा सदस्य एमएम अब्दुल्ला ने संशोधनों पर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। सिर्फ उन्होंने ही नहीं, कई विपक्षी दलों के सदस्यों ने भी अपना विरोध दर्ज कराया। हालांकि, जेपीसी ने विपक्ष द्वारा सुझाए गए सभी संशोधनों को खारिज कर दिया। स्टालिन ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भी इसे मंजूरी दे दी है, उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक को किसी भी समय लोकसभा में पेश किया जा सकता है।

गैर-भाजपा राज्यों का गला घोंट रही बीजेपी

यह वित्त का हस्तांतरण न करके गैर-भाजपा राज्यों का गला घोंट रहा है। उनके कृत्य हमेशा अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों और सबसे पिछड़े वर्गों के लिए हानिकारक होते हैं। स्टालिन ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा, हर कोई जानता है कि नीट और एनईपी समाज के निचले तबके के लोगों पर किस तरह से असर डालेंगे। वक्फ संशोधन इस सूची में सबसे नया नाम है। इससे मुस्लिम अल्पसंख्यकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। हमें इसका पुरजोर विरोध करना चाहिए। प्रस्तावित संशोधन राजनीतिक हस्तक्षेप को बढ़ावा देते हैं और धार्मिक अधिकारों को प्रभावित करते हैं, जिसके कारण डीएमके सहित विपक्ष ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि इसी विरोध के कारण विधेयक के मसौदे को संसदीय समिति के पास भेजा गया। उन्होंने प्रस्तावित वक्फ संशोधन कानून के कारण होने वाले प्रतिकूल प्रभावों की एक सूची पेश की। उन्होंने जिन प्रमुख मुद्दों को उठाया, उनमें से एक वक्फ संस्थाओं की स्वायत्तता का खत्म होना है।

नायडू की इफ्तार पार्टी का बहिष्कार

विवादास्पद वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर मुस्लिम संगठनों नेआंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की इफ्तार पार्टी का बहिष्कार किया। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के आह्वान पर मुस्लिम नेताओं ने यहां कन्वेंशन सेंटर में 'इफ्तार और रात्रिभोज' से दूरी बनाए रखी। इसके अलावा ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू किया, जिसमें धरना-प्रदर्शन शामिल हैं।

अरविंद केजरीवाल पर एफआईआर दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पुलिस ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने सार्वजनिक संपत्ति अधिनियम (पीपीए) के कथित उल्लंघन की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की और बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

» अगली सुनवाई 18 अप्रैल को होगी

मामले की अगली सुनवाई 18 अप्रैल को होगी। इससे पहले मामले की सुनवाई में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल और मटियाला सीट से विधायक गुलाब सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए थे। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि पुलिस ने शिकायत पर जांच नहीं की ऐसे में होर्डिंग किसने लगाए और क्यों लगाए इसकी जांच जरूरी है। अदालत ने पुलिस को 18 मार्च तक मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए थे। इससे पहले 2022 में द्वारका स्थित मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मामले को खारिज कर दिया था। जिसके बाद सत्र न्यायालय ने इसे दोबारा सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट अदालत में भेज दिया था।

म्यांमार में तेज भूकंप, 12 मिनट में दो बार कांपी धरती

» करीब 900 किमी. दूर बैंकॉक तक महसूस हुए झटके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। म्यांमार के एक के बाद एक भूकंप के दो तेज झटके महसूस किए गए हैं। शुक्रवार को लगे भूकंप के ये झटके इतने तेज थे कि लोग दहशत में आ गए और अपने घरों-दफ्तरों से बाहर निकल आए। पहला भूकंप सुबह 11 बजकर 50 मिनट पर आया, इसकी तीव्रता 7.2 मापी गई। इसके बाद दूसरा झटका दोपहर 12 बजकर दो मिनट पर आया, इसकी तीव्रता 7 मापी गई।

भूकंप के झटके थाईलैंड तक महसूस किए गए। बैंकॉक में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.2 और 7.0 रही। दोनों ही भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर गहराई में था। कुछ रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि म्यांमार में रुक-रुककर लगातार भूकंप के झटके लग रहे हैं।कुछ समाचार एजेंसियों ने रिपोर्ट किया है कि शुक्रवार को म्यांमार में 7.7 और 6.4 तीव्रता के दो लगातार भूकंप आए।

दावा किया जा रहा है कि म्यांमार के मांडले में इरावदी नदी पर बना सुप्रसिद्ध अवा ब्रिज गिर गया है। भूकंप में कई इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। भूकंप इतना तेज था कि करीब 900 किलोमीटर दूर बैंकॉक में भी इसके झटके महसूस किए गए।

कोलकाता, इंफाल में भी डोली धरती

बैंकॉक में 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आने के बाद कोलकाता और इंफाल में हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र मध्य म्यांमार में था, जो मोनीवा शहर से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व में है। हालांकि, अभी तक किसी नुकसान की खबर नहीं है।

वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के प्रति अमानवीय व्यवहार कर रहा केंद्र : वेणुगोपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के सी वेणुगोपाल ने केंद्र पर वायनाड भूस्खलन के पीड़ितों के प्रति अमानवीय व्यवहार करने का आरोप लगाया और मांग की कि पीड़ितों के लिए तत्काल ऋण माफी की घोषणा की जाए।

वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्र ने ''उन लोगों के प्रति पूरी तरह से अमानवीय दृष्टिकोण प्रदर्शित किया है, जिन्होंने जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी झेली है।'' उन्होंने कहा कि लोक लेखा समिति (पीएसी) ने भी केंद्र से पीड़ितों के लिए तुरंत ऋण माफी की घोषणा करने को कहा है। वेणुगोपाल ने कहा कि आपदा के बाद से ही केंद्र सरकार पीड़ितों के प्रति अनुचित व्यवहार कर रही है। राहत पैकेज की घोषणा करने में काफी देरी की गई और जब इसकी घोषणा की गई तो यह अत्यंत अव्यवहारिक शर्तों के साथ ऋण के रूप में आई।''

हिंदुत्व के नाम पर पाखंड कर रही भाजपा : ठाकरे

» सौगात-ए-मोदी को लेकर बीजेपी पर भड़के, पूछा- क्या सिर्फ बिहार और यूपी चुनाव के लिए है सब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महायुति सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने भाजपा के सौगात-ए-मोदी कार्यक्रम की भी आलोचना की और इसे हिंदुत्व के प्रति उनके पाखंड का उदाहरण बताया। उद्धव ठाकरे ने भाजपा के सौगात-ए-मोदी कार्यक्रम का मज़ाक उड़ाते हुए इसे महज नौटंकी करार दिया।

उन्होंने कहा कि जब मुसलमानों ने हमें बड़ी संख्या में वोट दिया, तो भाजपा की आंखें सदमे से सफेद हो गईं। अगर मुसलमान वोट देते हैं, तो वे इसे सत्ता जिहाद कहते हैं। ठाकरे ने कहा, लेकिन अब ईद के लिए उन्होंने सौगात-ए-मोदी अभियान शुरू किया है, जहां 32 लाख भाजपा कार्यकर्ता 32 लाख मुसलमानों के घर जाएंगे। यह सौगात-ए-मोदी नहीं है, यह सरासर बेशर्मी है। यह सौगात-ए-सत्ता (सत्ता के लिए उपहार) है। ये लोग नकली हिंदुत्व समर्थक हैं।÷ उन्होंने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा, जब उन्हें सुविधा होती है तो वे मुसलमानों को बलि का बकरा बनाते हैं, लेकिन चुनाव के दौरान वे मिठाई बांटते हैं। देखिए कि कैसे ये दलबदलू अब अचानक टोपी पहन लेते हैं। मुझ पर हिंदुत्व छोड़ने का आरोप लगाने से पहले, पहले अपने झंडे से हरा रंग हटा लें।

भाजपा का 'सौगात-ए-मोदी' कार्यक्रम विशुद्ध रूप से राजनीतिक : मायावती

उन्होंने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा, क्या सौगात-ए-सत्ता सिर्फ बिहार और यूपी चुनाव के लिए है या यह उसके बाद भी जारी रहेगा? भाजपा को खुलेआम घोषणा करनी चाहिए कि उन्होंने हिंदुत्व को त्याग दिया है। ठाकरे की टिप्पणी ने चल रही राजनीतिक लड़ाई को और तेज कर दिया है, तथा चुनावों के दौरान हिंदुत्व पर भाजपा के रुख और उसकी प्रचार रणनीतियों पर बहस को और तेज कर दिया है।

साजिश और छिपे एजेंडे के तहत हो रहा परिसीमन : हेमंत

सीएम बोले - भाजपा नेता केवल राज्य और देश के विकास के बारे में बोलते हैं, लेकिन करते कुछ नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया कि परिसीमन की प्रक्रिया एक सुनियोजित 'साजिश' और 'छिपे एजेंडे' के तहत लायी जा रही है ताकि आदिवासी और दलितों के लिए आरक्षित सीटों को कम किया जा सके।

सोरेन ने विधानसभा में यह भी दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता केवल राज्य और देश के विकास के बारे में बोलते हैं, लेकिन करते कुछ नहीं। बजट सत्र के आखिरी दिन सोरेन ने कहा, ''परिसीमन की कवायद के पीछे एक छिपा हुआ एजेंडा है, जो है आदिवासी और दलितों के लिए आरक्षित सीटों को कम करना। पहले भी ऐसी कोशिशें की गई थीं, जिन्हें दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने विफल कर दिया था। लेकिन इस बार इसे पूरे देश के लिए एक सुनियोजित साजिश के तहत आगे लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए है। उन्होंने भाजपा नेता अनिल महतो टाइगर की हत्या की निंदा की और कहा कि इस अपराध को अंजाम देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सोरेन ने कहा, ''घटना कल हुई, मैं इसकी निंदा करता हूं।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेताओं ने आज मृतक के परिजन से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

केंद्र राज्य के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र राज्य के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमें केंद्र से हमारा बकाया नहीं मिल रहा है। विभिन्न कोयला कंपनियों से 1.36 लाख करोड़ रुपये बकाया है। इसके अलावा, मनरेगा में 1,200 करोड़ रुपये और पेयजल योजना के तहत 6,000 करोड़ रुपये से अधिक केंद्र के पास लंबित हैं।'' विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी को शुरू हुआ था। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।